उपराष्ट्रपति, भारत

संदेश

मैं, सुविख्यात शिक्षाविद्, कुलपतियों के पितामह और परम आदरणीय लोक हस्ती प्रो. अमरीक सिंह के दु:खद निधन के बारे में जानकर शोकाकुल हो गया हूं।

शिक्षा-जगत और शैक्षिक प्रशासन के विभिन्न पहलुओं के संबंध में प्रो. अमरीक सिंह का योगदान उत्कृष्ट था। पंजाबी में किए गए उनके रचनात्मक कार्य और उच्च शिक्षा से संबंधित उनके लेखन के लिए उन्हें याद किया जाएगा।

मैं तथा मेरी धर्मपत्नी शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उनके प्रशंसकों और मित्रों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से यह प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली;
23 मार्च, 2010